International Journal of Social Science and Humanities
www.humanitiesjournals.com
Online ISSN: 2664-8628 Print ISSN: 2664-861X
Received: 03-10-2025, Accepted: 02-11-2025, Published: 17-11-2025
Volume 7, Issue 6, 2025, Page No. 26-29

शहडोल जनपद के सोहागपुर क्षेत्र में ग्रामीण जनसंख्या वृद्धि एवं आवासीय प्रतिरूप का भौगोलिक अध्ययन

डॉ. जिया लाल राठौर
भूगोल विभाग, शासकीय महाविद्यालय जैतपुर, जिला–शहडोल, मध्यप्रदेश, भारत

सारांश
मध्य प्रदेश के शहडोल जिले का सोहागपुर जनपद की भौगोलिक स्थिति एवं विविधता, के कारण मनुष्य अपना जीवन यापन करने के लिए अन्य, संसाधनों का उपयोग करना, कृषि करना, पशुपालन करना ,संग्रहण करना आदि रूप से निर्भर रहे हैं। मानव अपने जीवन जीने के लिए घास फूस के झोपड़ी घर आदि कच्चा मकान बनाया। जनजातीय जनसंख्या और सामाजिक–आर्थिक स्थिति एवं संरचना को अध्ययन के लिए एक आदर्श क्षेत्र बनाते हैं। यहाँ की जनसंख्या वृद्धि एवं आवासीय प्रतिरूपों का अध्ययन ग्रामीण विकास नीतियों के निर्माण हेतु उपयोगी सिद्ध हो सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंख्या के स्थानिक वितरण, वृद्धि दर तथा निवास प्रतिरूप की भौगोलिक विविधताओं का अध्ययन प्रस्तुत करता है। अध्ययन का उद्देश्य सोहागपुर क्षेत्र में ग्रामीण जनसंख्या की वृद्धि की प्रवृत्तियों, घनत्व, लिंगानुपात, व्यवसायिक संरचना, तथा आवासीय स्वरूप के बीच संबंधों को स्पष्ट करना है। इस शोध में जनगणना 2011 तथा नवीनतम स्थानीय आँकड़ों का उपयोग करते हुए ग्रामीण जनसंख्या में परिवर्तन, देखने को मिला जनसंख्या को प्रभावित करने वाले कारक, भौगोलिक कारक, जल की उपलब्धता जलवायु ,मिट्टी, खनन, औद्योगिक, क्षेत्र, का प्रभाव, तथा सामाजिक–आर्थिक स्थितियों का विश्लेषण किया गया है। सोहागपुर क्षेत्र में जनसंख्या वृद्धि में असमान परिवर्तन रूप से परिवर्तन हुआ है – जहाँ कृषि योग्य भूमि, जलस्रोत और संचार साधन उपलब्ध हैं वहाँ जनसंख्या वृद्धि अधिक रही है, जबकि पहाड़ी व वनाच्छादित क्षेत्रों में वृद्धि दर कम पाई गई है। इसी प्रकार आवासीय प्रतिरूपों में भी भौगोलिक परिस्थितियाँ, आर्थिक स्थिति, जातीय संरचना तथा परिवहन साधनों की उपलब्धता का गहरा प्रभाव देखा गया है। तो अध्ययन क्षेत्र धीरे–धीरे सक्रिय रूप से ग्रामीण आंचल के लोगों, की आर्थिक स्थिति सुधरने लगी और क्षेत्र का विकास जनसंख्या नीति निर्माण मे धीरे–धीरे सक्रिय रूप से वृद्धि होती गई है।

मूल शब्द: जनसंख्या वृद्धि, घनत्व, आवास ,साक्षरता ,कृषि का प्रभाव

प्रस्तावना
भारत की अधिकांश जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है और कृषि पर निर्भर है। ग्रामीण जनसंख्या की वृद्धि और आवासीय प्रतिरूप किसी क्षेत्र की आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, एवं भौगोलिक विशेषताओं को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करते हैं। शहडोल जनपद मध्य प्रदेश का एक महत्वपूर्ण आदिवासी अंचल क्षेत्र है, जो प्राकृतिक संसाधनों, खनिज संपदा और सांस्कृतिक विविधता के लिए जाना जाता है। इसी जनपद का सोहागपुर क्षेत्र अपने विशिष्ट क्षेत्र कोयला के लिए प्रसिद्ध है रहा । प्राकृतिक वातावरण के साथ मनुष्य अपने स्वभाव के अनुसार परिवर्तन लाने लगा साथ ही साथ, पहाड़ियों, वनों, नदियों और उपजाऊ घाटियों के कारण ग्रामीण अंचल में महिलाओं के शिक्षा दीक्षा में सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने लगा उनके जीवन सुधार हुआ उनके रहन–सहन में परिवर्तन होने लगा वे अच्छा जीवन यापन करने लगे । इस क्षेत्र में जनसंख्या वृद्धि के साथ–साथ आवासीय स्वरूपों में भी परिवर्तन देखा गया है। पहले जहाँ गाँव नदी तटों या कृषि भूमि के समीप केंद्रित थे, वहीं अब सड़कों, शिक्षा संस्थानों और बाज़ार केंद्रों के इर्द–गिर्द नई बस्तियों का विकास हुआ है। इस अध्ययन में ग्रामीण जनसंख्या वृद्धि के भौगोलिक निर्धारक तत्वों जैसे स्थलाकृति, जलवायु, मिट्टी, कृषि उत्पादकता, एवं संचार साधन – का विश्लेषण किया गया है। साथ ही आवासीय प्रतिरूपों की प्रकृति और वितरण का भी अध्ययन किया गया है, जिससे क्षेत्रीय असमानताओं को समझा जा सके और ग्रामीण विकास योजनाओं के लिए आधार तैयार किया जा सके।

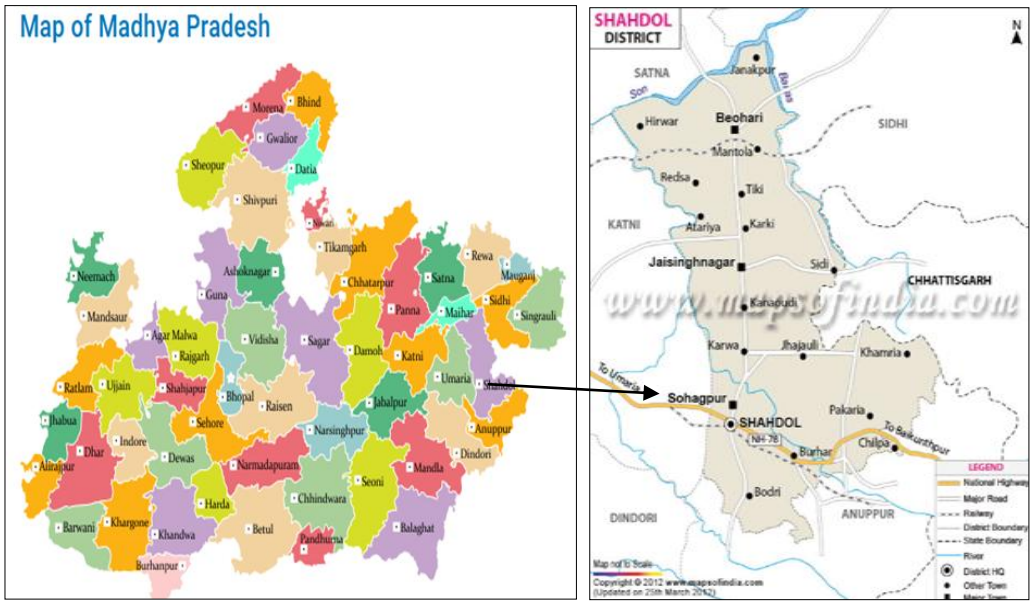

अध्ययन क्षेत्र (Study Area)

प्रस्तुत अध्ययन क्षेत्र के अंतर्गत शहडोल के सोहागपुर जनपद मध्य प्रदेश के उत्तर–पूर्वी भाग में स्थित है, जो विंध्य पर्वत श्रेणी के दक्षिणी विस्तार में आता है। यह क्षेत्र भौगोलिक दृष्टि से वनाच्छादित, पर्वतीय एवं पठारी भूभाग है। शहडोल के सोहागपुर जनपद का भौगोलिक स्थिति, 23 10′ से 23 45′ उत्तरी अक्षांश और 81 10′ से 81 50′ पूर्वी देशांतर के मध्य स्थित है। इसका क्षेत्रफल 1976 वर्ग किलोमीटर में स्थित है समुद्र तल से औसत ऊँचाई लगभग 450 से 550 मीटर तक है। सोहागपुर क्षेत्र के उत्तर में अनुपपुर जिला, दक्षिण में उमरिया, पूर्व में सीधी तथा पश्चिम में बुढ़ार एवं जयसिंहनगर गोहपारु एवं उत्तर पश्चिम में ब्यौहारी जनपद स्थित हैं। (मानचित्र क्रमांक–1.1)

यहाँ की जनसंख्या मुख्यतः ग्रामीण है, जो कृषि, वनों से उत्पाद, पशुपालन एवं खनन गतिविधियों पर निर्भर है। नवीनतम आँकड़ों के अनुसार, इस क्षेत्र की जनसंख्या वृद्धि दर मध्यम से अधिक है, परंतु ग्रामवार वृद्धि में उल्लेखनीय असमानता पाई जाती है। क्षेत्र की स्थलाकृति मिश्रित है कहीं पहाड़ियाँ और पठार हैं तो कहीं उपजाऊ घाटियाँ। यहाँ की जलवायु उष्णकटिबंधीय मानसूनी है। ग्रीष्म ऋतु में तापमान 42°C तक पहुँच जाता है, जबकि शीत ऋतु में न्यूनतम तापमान 8°C तक गिरता है। औसत वार्षिक वर्षा लगभग 1200 मिमी होती है। मुख्य नदियाँ — सोहाग, गोपद, और बंजर — हैं जो नर्मदा की सहायक नदियाँ हैं। ये नदियाँ क्षेत्र की कृषि एवंके लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। वर्षा आधारित जलस्रोत जैसे तालाब और झरने भी ग्रामीण जीवन का आधार हैं। मृदा एवं कृषि Soil and Agriculture यहाँ की प्रमुख मृदाएँ काली, दोमट और बलुई मिट्टी हैं। कृषि मुख्यतः मानसून पर निर्भर है। प्रमुख फसलें , धान, कोदो, कुटकी, गेहूँ और मक्का हैं। कृषि भूमि का वितरण स्थलाकृति एवं जलस्रोतों की उपलब्धता पर निर्भर करता है। सोहागपुर क्षेत्र में गोंड, बैगा, कोरकू आदि जनजातियाँ बड़ी संख्या में निवास करती हैं। इनकी परंपराएँ, निवास शैली एवं सामाजिक संगठन इस क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान हैं।

अध्ययन के उद्देश्य (Objectives of the Study)

अध्ययन क्षेत्र के उद्देश्य के अंतर्गत सोहागपुर क्षेत्र में ग्रामीण जनसंख्या की वृद्धि, वितरण एवं आवासीय प्रतिरूपों का भौगोलिक विश्लेषण करना है। निम्नलिखित उद्देश्यों को ध्यान में रखा गया है —

1. सोहागपुर जनपद में ग्रामीण जनसंख्या वृद्धि दर का अध्ययन करना।
2. .जनसंख्या वितरण के स्थानिक परिवर्तन का आकलन करना।
3. सोहागपुर के आवासीय प्रतिरूप का अध्ययन करना।
4. जनसंख्या वृद्धि का भूमि उपयोग आकलन करना।

आंकड़ों का विश्लेषण

1. **प्राथमिक स्रोत:** शोधार्थी द्वारा प्रत्यक्ष रूप से अध्ययन स्थल में जाकर वहां के लोगों से साक्षात्कार किया उनसे सभी प्रकार की जानकारी प्राप्त किया गया । आँकड़ों का विश्लेषण 10 गांव को चयनित किया गया शोधार्थी के द्वारा गांव में साक्षात्कार के माध्यम से ग्राम स्तर की जानकारी एकत्र की गई। आवासीय प्रतिरूप एवं भौगोलिक स्थितियों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया गया।

2. **द्वितीयक स्रोत:** द्वितीयक आंकडों का एकत्रण जनगणना विभाग मध्यप्रदेश (भोपाल) संचालक कृषि विभाग जिला सांख्यिकीय शहडोल कार्यालय, शोध पत्रिकाये, सरकारी एवं गैर सरकारी कार्यालयों जिला गजेटियर के माध्यम से प्राप्त किये गये ।

सारणी 1.2: सोहागपुर जनपद में ग्रामीण जनसंख्या एवं आवासीय प्रतिरूप में वृद्धि

क्र॰	*गांव*	*कुल जनसंख्या*	2001 *आवासीय प्रतिरूप*	2011 *आवासीय प्रतिरूप*	*दशकीय वृद्धि*
1	*बदरा*	104	40	56	.16
2	*बिजहाटोला*	120	78	89	.11
3	*चंदनिया*	270	190	201	.11
4	*माडावाड़ा*	95	49	52	.3
5	*गौरैया*	167	110	130	.20
6	*हरदिया*	42	20	49	.29
7	*अमुनिया*	74	65	77	.12
8	*कुदरी*	126	85	115	.30
9	*कुरकुटी*	197	96	101	.5
10	*लोधी*	122	110	117	.7
	अध्ययन क्षेत्र	1317	843	987	144

स्रोत: व्यक्तिगत सर्वेक्षण 2001–2011

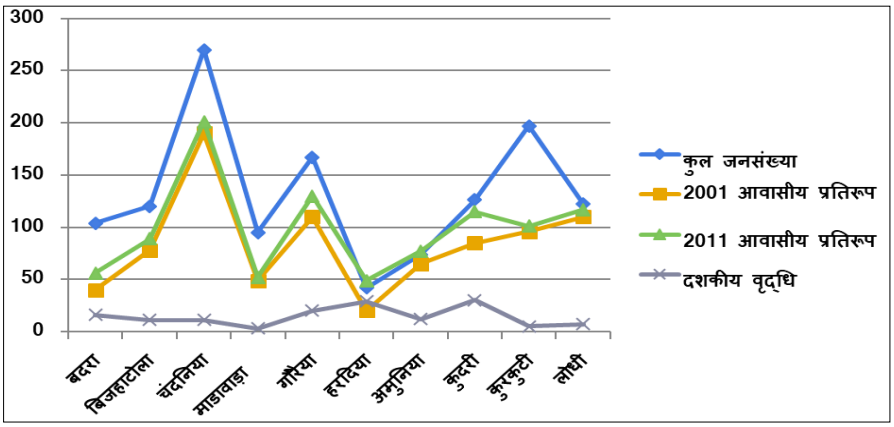

सारणी 1.1: से स्पष्ट है कि प्रस्तुत अध्ययन क्षेत्र में शहडोल जिले के सोहागपुर जनपद में जनसंख्या वितरण एवं आवासीय प्रतिरूप में वृद्धि चयनित गांव जो इस प्रकार हैं

वैविध्य परिवर्तनः–

1. **उच्च आवासीय वृद्धि वाले गांवः** इस गांव में रहने वाले लोगों की संख्या एवं मकान की संख्या सबसे अधिक आवास पाए गए जो निम्नलिखित है, कुदारी, हरदिया, गौरैया, उनके जीवन यापन करने के लिए रोजगार एवं संसाधन पाए गए हैं जो की शहर से लगे हुए गांव हैं।

2. **मध्य आवासीय वृद्धि वाले गांवः** मध्य आवासीय गांव जो इस प्रकार निम्नलिखित हैं। बदरा, अमुनिया, बिजहा टोला, चंदनिया के आवास दूर–दूर पाए गए हैं।

3. **निम्न आवासीय वृद्धि वाले गांवः** अध्ययन क्षेत्र के अंतर्गत निम्न आवास कम स्तर में पाए गए जो की निम्नलिखित हैं, लोधी, कुरकुरी, माड़ावाडा क्षेत्रों में रोजगार के साधन उपलब्ध नहीं होने के कारण मानव अपना आवास छोड़कर एक स्थान से दूसरे स्थान में जाकर रोजगार के मुख्य धारा से जुड़ सकें।

समस्या एवं सुझाव (Results and Analysis)

शोध के दौरान एकत्रित आँकड़ों एवं क्षेत्रीय सर्वेक्षण से प्राप्त जानकारी के आधार पर निम्नलिखित परिणाम प्राप्त हुए हैं —

1. **जनसंख्या वृद्धि की प्रवृत्ति (Trend of Population Growth):** सोहागपुर क्षेत्र में पिछले तीन दशकों के दौरान जनसंख्या में निरंतर वृद्धि हुई है। 1991–2001 के दशक में औसत वृद्धि दर लगभग 18ः रही,जबकि 2001–2011 में यह दर बढ़कर 22ः के आसपास पहुँच गई। यह वृद्धि मुख्यतः कृषि भूमि के विस्तार, स्वास्थ्य सुविधाओं के सुधार, एवं प्राकृतिक मृत्यु दर में कमी के कारण हुई है।

2. **जनसंख्या वितरण का स्वरूप (Pattern of Population Distribution):** जनसंख्या वितरण में असमान पाया गया है। नदी घाटियों, सड़क किनारे और उपजाऊ मैदानों में जनसंख्या घनत्व अधिक है। जबकि पहाड़ी एवं वनाच्छादित भागों जैसे हरदिया, अमुनिया, माड़ावाड़ा, आदि गाँवों में जनसंख्या घनत्व बहुत कम पाया गया। इससे यह स्पष्ट होता है कि स्थलाकृति और संसाधनों की उपलब्धता जनसंख्या वितरण के प्रमुख निर्धारक हैं।

3. **आवासीय प्रतिरूपों का वितरण (Distribution of Settlement Patterns):** सोहागपुर क्षेत्र में मुख्यतः तीन प्रकार के ग्रामीण आवासीय प्रतिरूप देखे गए — संवृत्त (Compact) बस्तियाँ – समतल एवं उपजाऊ क्षेत्रों में, जहाँ जल एवं भूमि संसाधन प्रचुर मात्रा में हैं। विखंडित (Dispersed) बस्तियाँ — पहाड़ी व वन क्षेत्रों में, जहाँ जनसंख्या कम और भूमि एवं मैदानी क्षेत्र होने के कारण पशुओं को पालना, खेती करना आदि रूप से अपने जीवन में असमान रूप से परिवर्तन हो रहे हैं। रेखीय (Linear) बस्तियाँ – मुख्यतः सड़क या नदी मार्ग के किनारे स्थित छोटे छोटे आवास बनाकर निवास कर रहे हैं क्योंकि उनका व्यवसाय का साधन बना हुआ है क्योंकि छोटे–मोटे रोजगार करके अपना जीवन यापन कर रहे हैं।

4. **सामाजिक एवं आर्थिक प्रभाव (Social and Economic Impacts):** जनसंख्या वृद्धि से भूमि पर दबाव बढ़ा है तथा कृषि भूमि का आकार कम हुआ है। कुछ गाँवों में रोजगार के सीमित अवसर होने से प्रवासन (Migration) की प्रवृत्ति बढ़ी है। शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार से जीवन स्तर में सुधार हुआ है और शिक्षा के मुख्य धारा से जुड़ने लगे हैं ताकि उनका सामाजिक आर्थिक स्थिति में सुधार हो सरकारी योजनाओं के द्वारा उन लोगों तक लाभ पहुंच रहा है या नहीं व्यक्तिगत रूप स्थल में जाकर उनके आर्थिक, सामाजिक स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त किया है।

5. **भौगोलिक कारकों का प्रभाव (Influence of Geographical Factors):** जनसंख्या वितरण पर स्थलाकृति, जलवायु, मिट्टी एवं जलस्रोतों का सीधा प्रभाव देखा गया। समतल क्षेत्रों में कृषि एवं बसावट अधिक, पहाड़ी एवं वन क्षेत्रों में बसावट कम और विखंडित स्वरूप में।

सुझाव (Problem)

1. कृषि के साथ–साथ गैर–कृषि रोजगार के अवसर बढ़ाए जाएँ।
2. सिंचाई सुविधाओं का विस्तार कर सूखे एवं पहाड़ी क्षेत्रों में जल की उपलब्धता होने से कृषि में रबी एवं खरीफ फसलों में उत्पादन बढ़ाया जा सके जिसमें वहां के लोगों को कृषि का फायदा मिल सके।
3. सड़क एवं संचार नेटवर्क को सुदृढ़ किया जाए ताकि दूरस्थ ग्रामों का विकास हो सके।
4. जनसंख्या वृद्धि को संतुलित रखने हेतु परिवार नियोजन एवं जन–जागरूकता कार्यक्रमों का विस्तार किया जाए।
5. ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आवास योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

निराकरण (Solutions)

1. भूमि जोत का आकार घटा जनसंख्या का दबाव बढ़ा।
2. कृषि भूमि में औद्योगिक विकास बढ़ा, आवासीय प्रतिरूप का निर्माण हुआ।
3. मिट्टी की उपजाऊ शक्ति घटा, खाद्यान्न की मांग बढ़ी।
4. कृषि रोजगार घटा, पलायन बढ़ा।
5. जल व संसाधनों पर दबाव बढ़ा।
6. कृषि भूमि गैर–कृषि उपयोग में आने लगी।

निष्कर्ष (Conclusion)

अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि सोहागपुर क्षेत्र में ग्रामीण जनसंख्या वृद्धि एवं आवासीय प्रतिरूपों में भौगोलिक परिस्थितियों की निर्णायक भूमिका है। जनसंख्या वृद्धि असमान है तथा प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता के अनुरूप परिवर्तित होती रही है। आवासीय प्रतिरूप स्थलाकृति, कृषि उपज, जलस्रोत, एवं संचार सुविधाओं के अनुसार विविध हैं। क्षेत्र के आर्थिक विकास एवं जनजीवन में भौगोलिक असमानताएँ स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची (References Bibliography)

1. जिला सांख्यिकी कार्यालय, शहडोल — जिला सांख्यिकी पत्रिका, 2011।
2. शहडोल जिला भू–अभिलेख कार्यालय — राजस्व अभिलेख एवं ग्राम नक्शे।
3. शर्मा, टी. सी. एवं कौशिक, वी. के. (2010) कृ भारतीय जनसंख्या भूगोल, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली।
4. तिवारी, आर. एन. (2015) — ग्रामीण विकास एवं नियोजन, प्रयाग पब्लिकेशन, इलाहाबाद।
5. जोशी, वी. बी. (2018) — मध्य प्रदेश का भौगोलिक अध्ययन, राजस्थानी प्रकाशन, भोपाल।

6. मिश्रा, एस. के. (2016) — जनसंख्या भूगोल: सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पक्ष, किताब महल, वाराणसी।
7. Chandna RC. (2019) — Geography of Population: Concepts, Determinants and Patterns, Kalyani Publishers, New Delhi-
8. Husain, Majid (2017) — Human Geography, Rawat Publications, Jaipur-
9. Dubey, B. (2005) — Rural Settlement Patterns in India, Concept Publishing Company] New Delhi-
10. Clarke, J I. (1972) — Population Geography, Pergamon Press] OÛford-
11. Jones, E. (1990) — Settlement Geography, Longman Group Ltd-, London-
12. www-census2011-co-in